[This question paper contains 3 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **4143** **I**

Unique Paper Code : 6967000013

Name of the Paper : Panchkosha : Holistic Development of Personality

Name of the Course : **VAC**

Semester : III

Time : 1 Hour ***Maximum Marks : 30***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

P.T.O.

(c) Questions no **one** is compulsory.

प्रश्न संख्या **एक** अनिवार्य हैं।

(d) Attempt any **2** out of the remaining 3 questions.

शेष **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए।

1. Write short notes any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी करें :

(i) Prāṇāyāma 5

प्राणायाम

(ii) Manomaya Kosha 5

मनोमय कोश

(iii) Sat – Cit – Anand 5

सत् – चित् – आनंद

2. Describe the role of Prāṇmeya kosha. 10

प्राणमय कोष की भूमिका का वर्णन कीजिए।

3. 'Triguṇa is the base of understanding Panchkosha'. Comment. 10

'पंचकोश को समझने के लिए त्रिगुण आधारभूत है'। टिप्पणी कीजिए।

4. Is Ānandmeyakosha the most inward depth of human personality ? Discuss. 10

क्या आनंदमय कोष मानव व्यक्तित्व की सबसे गहरी आंतरिक स्थिति है ? चर्चा कीजिए।

***